फार्मर फर्स्ट परियोजना के अन्तर्गत पशु चिकित्सा प्रशिक्षण एवं परामर्श शिविर का आयोजन

आज दिनांक 11 अगस्त, 2017 को कैथल जिले के कठवाड़ गांव में केन्द्रीय मृदा लवणता अनुसंधान संस्थान द्वारा फार्मर फर्स्ट परियोजना के अन्तर्गत पशु चिकित्सा प्रशिक्षण एवं परामर्श शिविर लगाया गया। कार्यक्रम का आयोजन डा. प्रबोध चन्द्र शर्मा, निदेशक के मार्गदर्शन में हुआ। कार्यक्रम के संयोजक डा. प्रवेन्द्र श्योराण ने परियोजना के उद्देश्य के बारे में बताते हुए कहा कि किसानों को अपनी आजीविका अच्छी तरह से चलाने के लिये कृषि के साथ–साथ पशुधन को भी एक व्यवसाय के रूप में अपनाना होगा।

राष्ट्रीय डेरी अनुसंधान संस्थान, करनाल से आमन्त्रित डा. महेन्द्र सिंह ने किसानों को पशुओं की अच्छी नस्ल पालने, सन्तुलित आहार हेतु खनिज लवण मिश्रण का उपयोग, टीकाकरण कार्यक्रम, बीमारियों जैसे थनैला रोग, रिपिट ब्रीडिंग इत्यादि की पहचान एवं समाधान के बारे में उचित जानकारी दी। उन्होंने किसानों को पशु आवास में साफ–सफाई पर विशेष ध्यान देने एवं कृत्रिम गर्भाधान द्वारा अच्छी नस्ल के पशु तैयार करने पर भी बल दिया। इसके साथ–साथ बदलते मौसम के हिसाब से देशी नस्लों के संवर्धन एवं संरक्षण की आवश्यकता पर भी जोर दिया।

प्रशिक्षण शिविर में किसानों को मिनरल–मिक्चर, पेट के कीड़े, चिचड़ी की मुफ्त दवाई दी गई। विभिन्न बीमारियों से ग्रसित 80 पशुओं का मौके पर ही इलाज किया गया। नस्ल सुधार हेतु 20 पशुओं का कृत्रिम गर्भाधान कराया गया। इस कार्यक्रम में डा. पोन्नुशामी व डा. राजू ने भी अपने विचार साझा किये। प्रशिक्षण शिविर में श्री गुलाब सिंह सरपंच, प्यारे लाल, तरसेम, लख्मीचंद, रामनाथ व रामफल ग्योंग समेत गांव के लगभग 170 किसानों ने भाग लिया। शिविर में विभिन्न विषयों पर जानकारी प्राप्त कर किसान अत्यन्त उत्साहित थे और आगे भी इसी प्रकार के कार्यक्रम आयोजित करने के लिये अनुरोध किया।